S-128 Roll No. ……..

MASL–101

वेद एवं निरुक्त

एम. ए. संस्कृत (एम. ए. एस. एल.-12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र, 2018

समय 3 घण्टे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए—

(क) नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं
नासीद्रजो नो व्योमा परो यत्।
किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्नम्भः
किमासीद् गहनं गभीरम्॥

(ख) सहृदयं सामनस्यमविद्वेषं कृणोमि वः।
अन्यो अन्यमभि हर्यत वत्सं जातमिवाघ्न्याः॥

(ग) ऋतस्य बुध्न उषसामिषण्यन्वृषा
मही रोदसी आ विवेश।
मही मित्रस्य वरुणस्य माया
चन्द्रेव भानु विदधे पुरुत्रा॥

(घ) सोदञ्चं सिन्धुमरिणान्महित्वा
वज्रेणान उषसः सं पिपेष।
अजवसो जविनीभिर्विवृश्चन्त्सोमस्य
ता मद इन्द्रश्चकार॥

2. उषस् सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
3. ईशोपनिषद् में प्रतिपादित दर्शनिक तत्त्वों का विश्लेषण कीजिए।
4. निरुक्त के अनुसार शब्दों के नित्यत्व पर एक निबंध लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेदांगों में शिक्षा का क्या महत्व है ? टिप्पणी लिखिए।
2. नासदीय सूक्त के दार्शनिक वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।
3. ईशापनिषद् के अनुसार सम्भूति एवं असम्भूति को स्पष्ट कीजिए।

4. 'कल्प' किसे कहते हैं ? वेदांग की दृष्टि से उसका क्या महत्व है ?
5. सामनस्य सूक्त के वैशिष्ट्य एवं उसकी प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।
6. निरुक्त के अनुसार भाव विकारों का विवेचन कीजिए।
7. 'निघण्टु' किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
8. उपनिषदों की प्रतिपादन शैली पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित में सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. इन्द्रसूक्त के ऋषि कौन हैं ?
   (अ) गृत्समद
   (ब) विश्वामित्र
   (स) मधुच्छन्दा
   (द) वसिष्ठ
2. अंगिरा आदि ऋषियों की स्तुति पर इन्द्र ने किस दैत्य का वध किया ?
   (अ) विश्व
   (ब) बल
   (स) शुम्भ
   (द) बालि

3. निरुक्त को वेदपुरुष का कौन-सा अंग बताया गया है ?

(अ) चक्षु

(ब) नासिका

(स) कर्ण

(द) श्रोत्र

4. 'निरुक्त' के लेखक कौन हैं ?

(अ) सायणाचार्य

(ब) भास्कराचार्य

(स) यास्काचार्य

(द) उदयनाचार्य

5. वेदों का अंतिम भाग होने से उपनिषदों को क्या कहते हैं ?

(अ) वेदान्त

(ब) वेदांग

(स) कल्प

(द) व्याकरण

6. केन उपनिषद् किस वेद से सम्बद्ध है ?

(अ) ऋग्वेद

(ब) यजुर्वेद

(स) सामवेद

(द) अथर्ववेद

7. किस उपनिषद् में शैव दर्शन का मूल प्राप्त होता है ?

(अ) श्वेताश्वतरोपनिषद्

(ब) कठोपनिषद्

(स) ईशोपनिषद्

(द) मुण्डकोपनिषद्

8. सांख्य दर्शन के प्रणेता ऋषि कौन हैं ?

(अ) कपिल

(ब) कणाद

(स) पतंजलि

(द) बादरायण

9. वेदांगों की संख्या कितनी है ?

(अ) पाँच

(ब) छः

(स) आठ

(द) बारह

10. स्वरों की दृष्टि से अच् कितने हैं ?

(अ) दो

(ब) तीन

(स) चार

(द) पाँच